''जातीय जनगणना एवं कुशवाहा समाज''

02.10.2023 के दिन वर्षो इंतजार के बाद बिहार में जातीय गणना का एक विस्तृत रिपोर्ट बिहार सरकार द्वारा सार्वजनिक किया गया। आंकडे यह प्रदर्शित करता है कि बिहार की कुल 13.07 करोड़ जनसंख्या में कोईरी (कुशवाहा) का प्रतिनिधत्व पिछड़ा वर्ग–2 में 55.5 लाख एवं कोईरी समाज एक महत्वपूर्ण अंग ''दांगी'' का प्रतिनिधित्व 3.56 लाख जो पिछडा वर्ग–1 का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस तरह कुल अवादी 58.86 लाख है। प्रस्तुत किये गए आकडा प्रथम दृष्टया भ्रामक लगता है। यह भी स्पष्ट है कि प्रथम पायदान पर यादव 156 लाख पिछडा वर्ग–2 का प्रतिनिधत्व कर रहा है। यदि हम इस जातीय गणना को देखें जो बिहार सरकार ने सम्पन्न कारवाई है, प्रदर्शित आकड़े सत्य से परे है एवं बिलकुल अविश्वसनीय लगता है। विशेषकर कुशवाहा की जनसंख्या जो प्रकाशित की गई है, सरकार द्वारा वह पूरी तरह खारीज करने योग्य है।

बिहार की राजनीति की दशा एवं दिशा तय करने में कुशवाहा समाज की भूमिका 1990 के बाद अग्रणी रहा है। इस परिवर्तन की शुरूवाती दशक 1990–1995 जब इस राज्य की पूरी राजनीति, परिर्वतन की दौर से गुजर रहा था, तब माननीय लालू यादव एवं अन्य कई समकालीन पिछडा वर्ग के नेता सामाजिक चेतना को जागृत करने में एडी चोटी एक किये हुए थे। पिछड़ा वर्ग जो 300 से ज्यादा जातियों का प्रतिनिधत्व कर रहा था उनमें पूरी तरह आत्मसम्मान को इन्होने जागृत कर दी। इसका बुनियाद तो हमारे प्रख्यात क्रांतिवीर अमर शहीद जगदेव प्रसाद, का० ज्योति प्रसाद, कामरेड जगदीश प्रसाद पहले हीं रख चुके थे जिनके प्रत्येक कथन इस चेतनशील समाज के प्रति समर्पित एवं उनके हृदय में आज भी गुंज रहा है। यह अत्यंत गंभीर विषय है कि वर्तमान में हमारे कुशवाहा समाज के एक महत्वपूर्ण अंग उपजाति दांगी को सरकार ने काट कर अलग कर पिछडा वर्ग–1 की श्रेणी में डाल दिया है। कुशवाहा समाज की ताकत बिहार की सभी राजनैतिक पार्टिया उपयोग करना तो चाहती है, परन्तु सभी को भय है कि कहीं ये लोग एक मंच पर आ गए तो विहार सरकार की सता इनके हाथो से चला जाएगा एवं पूरी तरह बिहार में राजनैतिक व्यवस्था के सूत्रधार कुशवाहा समाज के लोग हीं होंगे। यह डर हमारे राज्य के पक्ष एंव विपक्षी दोनों पार्टीयों के कथित नेताओं को हैं। इस साजिस से इन्कार नहीं किया जा सकता कि हमारे समाज विभिन्न उपजातिया, दांगी, कनौजिया, जलुहार, बनाफर, काछी, शाक्य एवं अन्य उप जातियों को अलग–अलग भागो में बांट कर पिछडा, कुशवाहा समाज की ताकत को पूर्णतः कमजोर कर दे। इस समाज के शेष उपजातियां दांगी को छोडकर पिछड़ा वर्ग–2 में चिन्हित है उसे अत्यन्त पिछडा वर्ग–1 में सामिल करने के लिए जातीय नेता आवश्यक दवाब बनाए। हमारे समाज के दिग्गज एवं प्रमुख चर्चित नेता सभी प्रमुख पार्टीयों पक्ष, एवं विपक्ष में है। इन सम्मानित लोगो से उम्मीद है कि सरकार द्वारा किये गये इस कुकृत्य के विरूद्व सदन एवं सदन के बाहर आवाज उठाएगें।

इस तत्कालीन मुद्दा को राज्य के दोनो सदन विधान सभा एवं विधान परिषद में प्रखर तरीके से संस्थागत गलती को सुधार करने हेतु समाज के माननीय जनप्रतिनिधि को आवाज उठाना चाहिए, क्योंकि एक बहुत हीं बड़ी साजिस करके हमारे समाज के एक प्रमुख अंग दांगी को अलग करने में जरा भी संकोच नहीं किया गया। दूसरा हमारे समाज की ताकत (जनसंख्या) विलकुल कम दर्शाकर राज्य सरकार द्वारा प्रकाशन किया गया है। इस नग्न सच्चाई को समाज के लोगो के बीच रखना एवं यह एहसास दिलाना होगा कि राजनैतिक भागीदारी तभी सार्थक एवं ताकतवर होगी जब हम एक साथ अपने समाजिक दायित्वों को पुरी एकजुटता के साथ निर्वाहन करेंगें।

अरविन्द कुमार सिंह
प्रखण्ड विकास पदाधिकारी
(सेवा निवृत)
मो०–7979904792
लेखा नगर, दानापुर, पटना